ना ज़रूरत उसे पूजा और पाठ की | By Sheetal Pandey

ना ज़रूरत उसे पूजा और पाठ की
जिसने सेवा करी अपने माँ बा की
रहता भगवान् उसके सदा साथ है
बन गया जो खुशी अपने माँ बाप की
ना ज़रूरत उसे पूजा और पाठ की
जिसने सेवा करी अपने माँ बा की

छोडो चिंता सभी ना गमो से डरो
बूढ़े माँ बाप की आप सेवा करो
उसकी करता है चिंता जगत का पिता
जिसको चिंता लगे अपने माँ बाप की
ना ज़रूरत उसे पूजा और पाठ की
जिसने सेवा करी अपने माँ बा की

देखती उनका रास्ता यहाँ हर खुशी
जिसने माँ बाप पे वार दी ज़िन्दगी
ना मुसीबत डरा पाई उनको कभी
दुआ जिनको मिली अपने माँ बाप की
ना ज़रूरत उसे पूजा और पाठ की
जिसने सेवा करी अपने माँ बा की

याद रखता नहीं क्यों ये इंसान है
जिसने जीवन दिया वो ही भगवान् है
उसके जीवन में दु:ख कोई आता नहीं
जिसके दिल में छवि अपने माँ बाप की
ना ज़रूरत उसे पूजा और पाठ की
जिसने सेवा करी अपने माँ बा की

डांटता है पिता तो है उसका सबब
माँ की ममता को समझेगा पागल तू कब
वो सदा खुश रहा ना हुआ है दुखी
जिसने बातें सुनी अपने माँ बाप की
ना ज़रूरत उसे पूजा और पाठ की
जिसने सेवा करी अपने माँ बा की

बेधड़क कह रहा बात दिल से लगा
अपने माँ बाप को तुम ना देना दागा
नूर बनके यहाँ वो चमकने लगा
जो बना रौशनी अपने माँ बाप की
ना ज़रूरत उसे पूजा और पाठ की
जिसने सेवा करी अपने माँ बा की

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a4%b0%e0%a5%82%e0%a4%b0%e0%a4%a4-%e0%a4%89%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%aa%e0%a5%82%e0%a4%9c%e0%a4%be-%e0%a4%94%e0%a4%b0-%e0%a4%aa%e0%a4%be%e0%a4%a0-%e0%a4%95/